University in News on 03 February 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

रोजाना दो घंटे की पढ़ाई से सीखेंगे एआई अकाउंटिंग

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अगले सत्र (अप्रैल) से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित अकाउंटिंग की भी पढ़ाई होगी। कॉमर्स संकाय में इसकी शुरुआत होगी। यह सर्टिफिकेट कोर्स वाणिज्य के साथ अन्य विद्यार्थियों के लिए भी उपलब्ध होगा।

कोर्स के निदेशक प्रो. अवधेश त्रिपाठी के मुताबिक आज हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मांग बढ़ रही है। अकाउंटिंग का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। इसे देखते हुए इस सर्टिफिकेट कोर्स की रूपरेखा तैयार की गई है।

यह कोर्स कुल 50 घंटे का होगा। एक महीने की अवधि में रोजाना दो घंटे की पढ़ाई के माध्यम से इसे पूरा किया जाएगा। रविवार को अवकाश रहेगा। कोई भी विद्यार्थी इसमें दाखिला लेकर पढ़ाई कर सकेगा। सफलतापूर्वक पढ़ाई और परीक्षा के बाद प्रमाणपत्र जारी कर दिया जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में एआई आधारित अकाउंटिंग के सर्टिफिकेट कोर्स की होगी शुरुआत

- **चार मॉड्यूल का होगा कोर्स :** कोर्स कुल चार मॉड्यूल का होगा। इसमें तीन मॉड्यूल 10-10 घंटे के होंगे। प्रैक्टिकल वाला मॉड्यूल 20 घंटे का होगा। इसमें मुख्य रूप से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और अकाउंटिंग की बुनियादी जानकारी, मौजूदा स्थिति और प्रैक्टिकल की जानकारी दी जाएगी। विद्यार्थी को असाइनमेंट और प्रोजेक्ट भी जमा करने होंगे।
- **छोटे व्यापारियों के लिए उपयोगी :** एआई आंतरिक लेखांकन प्रक्रिया छोटे व्यापारियों के लिए बेहद उपयोगी है। इसके माध्यम से वे खरीद, चालान, खरीद आदेश, व्यय रिपोर्ट, देय और प्राप्य खाते आदि को स्वचालित माध्यम से अंजाम देते हैं। इसका इस्तेमाल करके व्यापार का बेहतर तरीके से लेखा-जोखा रख सकते हैं।

एआई लैब मिलने में एक माह और

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की दो लैब मिलने में एक महीने का समय और लगेगा। जनवरी में दावा किया गया था कि फरवरी में लैब चालू हो जाएंगी, लेकिन अब कहा जा रहा है कि ये मार्च के पहले सप्ताह में शुरू होंगी।

इंजीनियरिंग संकाय में बनाई जा रही लैबों से कंप्यूटर साइंस के अलावा अन्य विभागों के छात्रों की भी पढ़ाई का रास्ता आसान होगा।

दोनों लैब बनाए जाने को लेकर अमर उजाला ने खबर का प्रकाशन भी किया था। रविवार को फिर पड़ताल की गई तो विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि करीब 80 फीसदी काम पूरा हो चुका है। बाकी 28 फरवरी तक पूरा होना है।

लक्ष्य है कि मार्च के पहले सप्ताह में छात्रों के लिए इन लैबों को खोल दिया जाए। विश्वविद्यालय के हजारों छात्रों को इसका लाभ मिलेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में चल रहा लैबों का काम

फरवरी में लैब शुरू हो जाने का किया गया था दावा, अभी 80 फीसदी हो सका काम

लखनऊ विवि में स्थापित की जाएंगी दो एआई लैब

टैंडर प्रक्रिया जारी, अगले माह तक इंजीनियरिंग संकाय में होगी स्थापना

अमर उजाला फॉलोअप एक महीने बाद

अमर उजाला में तीन जनवरी को प्रकाशित खबर।

- **छात्रों को होंगे ये फायदे :** इन लैबों से विद्यार्थी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग और बिग डेटा एनालिस में अनुसंधान के नए रास्ते तलाश सकेंगे। बीटेक कंप्यूटर साइंस में अभी 180 सीटें हैं। डॉ. दुर्गेश ने बताया कि इंजीनियरिंग संकाय में हर साल विद्यार्थी अच्छे पैकेज पर चयनित होते हैं। एआई लैबों के शुरू होने से उनके ज्ञान के साथ नौकरी के मौके और पैकेज भी बढ़ेंगे।

NBT PAGE 4

अकाउंट्स और AI का कॉम्बो अब एक कोर्स में

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

अकाउंट का लेखा जोखा अब आर्टीफीशल इंटेलिजेंस की एक्यूरेसी के साथ करने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से एक विशेष कोर्स तैयार किया गया है। इस कोर्स का नाम आर्टीफीशल इंटेलिजेंस इन अकाउंटिंग रखा गया है। कॉमर्स विभाग की ओर से इस कोर्स को शुरू किया जा रहा है। इसमें अकाउंट्स से जुड़े एआई टूल, अप्लिकेशन व उनके उपयोग समेत इसके बेसिक उपयोग के बारे में पढ़ाया जाएगा। विवि की ओर से जल्द ही वेबसाइट पर इसका ब्रॉशर जारी किया जाएगा। उसके बाद इसमें दाखिले की प्रक्रिया शुरू होगी।

LU की ओर से आर्टीफिशल इंटेलिजेंस इन अकाउंटिंग नाम से सर्टिफिकेट कोर्स शुरू

इस कोर्स के इंचार्ज कॉमर्स विभाग के प्रो. अवधेश कुमार ने बताया कि यह एक सर्टिफिकेट कोर्स है जो कुल तीस दिन का है। जिसमें हर दिन दो घंटे की क्लास होगी। इसे कुल चार मॉड्यूल में डिवाइड किया गया है। दवा किया जा रहा है कि यह कोर्सछात्रों और प्रफेशनल्स को काफी सहूलियत मिलेगी।

NBT Lens समझिए खबरों के अंदर की बात

क्या मिलेगा फायदा?

कोर्स की खास बात यह है कि इसे छात्रों के साथ ही अकाउंट्स व बैंकिंग से जुड़े प्रफेशनल पर भी कर सकते हैं। पहले से जो इस क्षेत्र में काम कर रहे हैं वह अगर एआई के उपयोग से काम को आसान बनाना सीखना चाहते हैं वह इस कोर्स को कर सकेंगे। अकाउंट्स के हर क्षेत्र को इस कोर्स में समाहित किया गया है ताकि यह सभी के लिए उपयोगी साबित हो सके। अब तक एआई पर कोई भी सर्टिफिकेट प्रोग्राम नहीं संचालित किया जा रहा है। ऐसे में शहर के विश्वविद्यालयों में प्रफेशनल्स के लिए अपनी तरह का पहला कोर्स है।

JAGRAN CITY PAGE III

सर्वेक्षण का डाटा अपलोड नहीं तो प्रवेश प्रतिबंधित

जारां • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कई महाविद्यालयों ने अब तक अखिल भारतीय उच्चतर शिक्षा सर्वेक्षण कार्य के लिए सत्र 2023-24 का डाटा ही अपलोड नहीं किया है। इसको लेकर कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने कालेजों को निर्देश जारी किए हैं।

निर्देश में साफ कहा है कि जिन कालेजों ने अभी तक ये डाटा अपलोड नहीं किया है, वे तीन कार्य दिवस के अंदर इस प्रक्रिया को पूरा कर लें, अन्यथा कालेज के खिलाफ सहयुक्तता समाप्त करने, प्रवेश प्रतिबंधित करने और प्रवेश क्षमता घटाने और प्रवेशित विद्यार्थियों की परीक्षाएं न कराने की कार्यवाही की जा सकती है। इसकी जिम्मेदारी कालेज के प्राचार्य एवं प्रबंधक की होगी।

दरअसल, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उच्चतर शिक्षा विभाग के निर्देश पर इस साल भी अखिल भारतीय उच्चतर शिक्षा सर्वेक्षण कार्य 2023-24 का पूरा किया जाना है। इसके लिए लवि से सम्बद्ध कालेजों को भी अपना विवरण अपलोड करना है, लेकिन अधिकांश कालेजों ने यह प्रक्रिया पूरी नहीं की है।

कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से जारी पत्र के अनुसार डाटा अपलोड होने संबंधी जानकारी के लिए विश्वविद्यालय के समन्वयक एआइएसएस प्रो. पुनीत मिश्रा से संपर्क किया जा सकता है। गौरतलब है कि लवि से लखनऊ, रायबरेली, सीतापुर, हरदोई और लखीमपुर खीरी को मिलाकर 550 से ज्यादा कालेज सम्बद्ध हैं।

THE PIONEER PAGE 2

Malviya's statue unveiled at LU

PNS ■ LUCKNOW

Lucknow University Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai on Sunday unveiled a statue of Pandit Madan Mohan Malaviya at Malaviya Garden. The ceremony paid tribute to the Malviya, a freedom fighter, educationist, and founder of Banaras Hindu University.

The occasion coincided with Basant Panchami, a festival celebrating the arrival of spring and the goddess of wisdom and learning. Prof Rai also inaugurated a newly constructed temple of Goddess Saraswati at LBS Hostel. The event saw participation from faculty members, administrative officials, and students.

In another celebration, the Yoga department organised the 'Maha Kumbh 2025' programme on Sunday. The event began with 'kalash' pujan and Saraswati pujan.

Faculty coordinator Amarjeet Yadav explained that Maha Kumbh is the largest spiritual event globally. "It is not just a religious gathering but a significant cultural and social event, symbolising faith, unity, and trust. A holy dip in the Kumbh strengthens the body, mind, and soul," he stated.

Dean Prof Ashok Kumar Sonkar spoke about the Kumbh's role in inspiring spiritual growth and moral development.

Yogacharya Rajesh Kumar Dwivedi added, "Participating in the Kumbh helps control the restlessness of the mind, fostering mental growth."

The programme featured performances by students, including a Shiv Stuti, a Maha Kumbh dance, and a dance drama on Adiyogi. All participants were honoured with certificates. Teachers and students from the Yoga department attended the event.

Meanwhile, Basant Panchami and Saraswati Puja were celebrated at NBFGR, with staff members and research scholars participating in the festivities. Director Dr UK Sarkar extended congratulations and best wishes to everyone on the occasion. He emphasised the significance of Basant Panchami, marking the worship of Goddess Saraswati, the deity of knowledge and wisdom.

लविवि में पंडित मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा का अनावरण

संवाद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा का अनावरण रविवार को कुलपति आलोक कुमार ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह प्रतिमा शिक्षा और राष्ट्र निर्माण में मालवीय के अपार योगदान का प्रमाण है। कुलपति ने एलबीएस छात्रावास में मां सरस्वती के नवनिर्मित मंदिर का भी उद्घाटन किया। मौके पर संकाय के सभी सदस्य मौजूद रहे। (संवाद)

सुंदरकांड पाठ कराया, शिविर लगाया

लखनऊ। लखनऊ विवि ने हनुमान सेतु मंदिर में सुंदरकांड पाठ और भंडारा कराया। निशुल्क स्वास्थ्य शिविर भी लगा। इसमें विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित पीयूष पांडेय ने सरस्वती पूजन से की। पं. अनुराग मिश्रा और उनके समूह ने सुदरकांड पाठ किया। इस अवसर पर विवि की कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह और जयनारायण महाविद्यालय के प्राचार्य विनोद चंद्र आदि मौजूद रहे।

लविवि में योग विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में फैकल्टी कोआर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने कहा, महाकुंभ आध्यात्मिक मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। महाकुंभ के बारे में लोगों को विस्तार से बताया गया। योगाचार्य राजेश कुमार ने कहा कि कुंभ में हिस्सा लेने से मन की चंचलता पर नियंत्रण होता है। मौके पर छात्रा निकिता त्रिगुनायत ने शिव स्तुति व महाकुंभ नृत्य से मन मोह लिया। (संवाद)

PIONEER PAGE 3

एलयू में भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा का हुआ अनावरण

लखनऊ। लखनऊ विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने रविवार को ऐतिहासिक मालवीय हॉल के सामने मालवीय उद्यान में भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा का अनावरण किया। यह प्रतिमा शिक्षा और राष्ट्र निर्माण में मालवीय के अपार योगदान का प्रमाण है। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर प्रो. राय ने एलबीएस छात्रावास में मां सरस्वती के नवनिर्मित मंदिर का भी उद्घाटन किया। संकाय सदस्य, प्रशासनिक अधिकारी और छात्र मौजूद रहे, जो वसंत ऋतु के आगमन और ज्ञान और शिक्षा की देवी का सम्मान करने के लिए भक्ति भाव से एकत्रित हुए।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि में पंडित मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा का कुलपति ने किया अनावरण

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने आज ऐतिहासिक मालवीय हॉल के सामने मालवीय उद्यान में भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा का अनावरण किया। दोपहर 12:00 बजे आयोजित समारोह में महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद् और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक को श्रद्धांजलि दी गई। यह प्रतिमा शिक्षा और राष्ट्र निर्माण में मालवीय के अपार योगदान का प्रमाण है। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर प्रो. राय ने एलबीएस छात्रावास में मां सरस्वती के नवनिर्मित मंदिर का भी उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में संकाय सदस्य, प्रशासनिक अधिकारी और छात्र मौजूद रहे, जो वसंत ऋतु के आगमन और ज्ञान और शिक्षा की देवी का सम्मान करने के लिए भक्ति भाव से एकत्रित हुए।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि में मालवीय की प्रतिमा का अनावरण

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने रविवार को ऐतिहासिक मालवीय हॉल के सामने मालवीय उद्यान में भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा का अनावरण किया। आयोजित समारोह में महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद् और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक को श्रद्धांजलि दी गई। कुलपति ने कहा यह प्रतिमा शिक्षा और राष्ट्र निर्माण में मालवीय के अपार योगदान का प्रमाण है। वहीं, बसंत पंचमी के अवसर पर कुलपति ने एलबीएस छात्रावास में मां सरस्वती के नवनिर्मित मंदिर का भी उद्घाटन किया।